



॥ श्री कुबेर जी आराधना ॥
॥ श्री कुबेराय नमः ॥

FULL DISCLAIMER

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ श्री कुबेर जी आराधना ॥

श्री कुबेर भगवान का परिचय

भगवान कुबेर धन, वैभव, ऐश्वर्य, नव-निधियों तथा यक्षों के अधिपति हैं।
उन्हें उत्तर दिशा का दिक्पाल तथा भगवान शिव का परम भक्त माना जाता है। उनकी आराधना का उद्देश्य केवल धन प्राप्त करना नहीं, बल्कि धर्मपूर्वक अर्जित समृद्धि, संतोष, दानशीलता, सद्बुद्धि और लोककल्याण की भावना को विकसित करना है।

आराधना का शुभ समय

प्रतिदिन प्रातःकाल या सायंकाल।
शुक्रवार विशेष रूप से शुभ माना जाता है।
धनतेरस, दीपावली, अक्षय तृतीया, पूर्णिमा और पुष्य नक्षत्र के दिन आराधना अत्यंत शुभ मानी जाती है।

आराधना से पूर्व

स्नान करके स्वच्छ एवं हल्के पीले या सफेद वस्त्र धारण करें।
पूजा स्थान को स्वच्छ रखें।
भगवान कुबेर का चित्र या विग्रह स्थापित करें। यदि संभव हो तो भगवान गणेश और माता लक्ष्मी का चित्र भी साथ रखें।
घी का दीपक और धूप जलाएँ।

ध्यान

रत्नसिंहासनासीनं स्वर्णवर्णं चतुर्भुजम्।
निधीनां पतिमीशानं ध्यायेत् वैश्रवणं प्रभुम्॥
भाव करें कि भगवान कुबेर स्वर्णमय सिंहासन पर विराजमान हैं और अपने भक्तों पर कृपा-दृष्टि बरसा रहे हैं।

आवाहन

ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं श्री कुबेराय नमः।
आवाहयामि, स्थापयामि, पूजयामि॥

पूजन

भगवान को क्रमशः चंदन, अक्षत, पुष्प, धूप, दीप और नैवेद्य अर्पित करें।

मंत्र जप

निम्न मंत्रों में से किसी एक का श्रद्धापूर्वक जप करें—

मूल मंत्र

ॐ कुबेराय नमः, धन-समृद्धि मंत्र
ॐ श्रीं ह्रीं श्रीं ह्रीं क्लीं श्रीं क्लीं वित्तेश्वराय नमः॥

वैदिक मंत्र

ॐ यक्षाय कुबेराय वैश्रवणाय धनधान्याधिपतये।
धनधान्यसमृद्धिं मे देहि दापय स्वाहा॥
11, 21, 51 या 108 बार जप करना शुभ माना जाता है।

स्तुति

मंत्र-जप के बाद श्री कुबेर स्तुति का पाठ करें और भगवान की महिमा का स्मरण करें।

प्रार्थना

हे धनाध्यक्ष भगवान कुबेर!
मुझे ऐसा धन और वैभव प्रदान करें जो सत्य, परिश्रम और धर्म के मार्ग से प्राप्त हो।

मेरे जीवन से दरिद्रता, भय, लोभ और अभाव दूर करें।
मुझे संतोष, दानशीलता, विवेक और सदाचार प्रदान करें।
मेरे परिवार में सुख, शांति, आरोग्य और समृद्धि का सदैव वास रहे

आरती

अब श्रद्धापूर्वक श्री कुबेर भगवान की आरती करें।

क्षमा प्रार्थना

अपराधसहस्राणि क्रियन्तेऽहर्निशं मया।
दासोऽयमिति मां मत्वा क्षमस्व धनद प्रभो॥
मन्त्रहीनं क्रियाहीनं भक्तिहीनं सुरेश्वर।
यत्पूजितं मया देव परिपूर्णं तदस्तु मे॥

दैनिक आचरण

ईमानदारी और परिश्रम से धन अर्जित करें।
आय का एक भाग दान और सेवा में लगाएँ।
किसी के अधिकार का हनन न करें।
लोभ और अहंकार से दूर रहें।
धन को लोककल्याण और परिवार के मंगल में उपयोग करें।

आराधना के लाभ

धर्मसम्मत धन और आर्थिक स्थिरता की कामना।
व्यापार एवं आजीविका में उन्नति।
परिवार में सुख, शांति और समृद्धि।
संतोष, विवेक और दानशीलता की वृद्धि।
भगवान शिव, माता लक्ष्मी और भगवान कुबेर की कृपा प्राप्त करने की प्रार्थना।